रजिस्ट्री सं. डी. एल.-33004/99 REGD. NO. D. L.-33004/99

सत्यमेव जयते

# भारत का राजपत्र
# The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 286 ] नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 29, 1999/पौष 8, 1921
No. 286] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 29, 1999/PAUSA 8, 1921

गृह मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 29 दिसम्बर, 1999

फा. सं. 3/5/99-पब्लिक.— भारत के भूतपूर्व राष्ट्रपति डा0 शंकर दयाल शर्मा का रविवार, 26 दिसम्बर,1999 को निधन हो गया । क्योंकि स्वतंत्रता सैनानी डा0 शंकर दयाल शर्मा एक योग्य राजनेता और सांसद थे जिन्होंने अत्यधिक निष्ठा, समर्पणभाव और उत्कृष्टता के साथ देश की सेवा की । अपने सार्वजनिक जीवन में उन्होंने अनेक प्रतिष्ठित पदों को सुशोभित किया ।

2. डा0 शंकर दयाल शर्मा का जन्म 19 अगस्त, 1918 को भोपाल में हुआ । विश्वविद्यालय में प्रथम रहते हुए उन्होंने अंग्रेजी साहित्य, हिन्दी और संस्कृत में एम.ए. की उपाधि प्राप्त की । विश्वविद्यालय में पुनः प्रथम रहते हुए उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से एल.एल.एम. की उपाधि प्राप्त की । उन्होंने कैम्ब्रिज से कानून में पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त की । लिंकन्स इन से बैरिस्टर की उपाधि प्राप्त करने के बाद वे हारवर्ड लॉ स्कूल के फैलो बने ।

3. डा0 शंकर दयाल शर्मा ने अपने विद्यार्थी जीवन में एथलेटिक्स, नौकायन और तैराकी में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए एक खिलाड़ी के रूप में भी प्रतिष्ठा अर्जित की । लगातार तीन वर्षों तक वे लखनऊ विश्वविद्यालय के तैराकी चैम्पियन रहे तथा नौकायन और तैराकी क्लब के वे कैप्टन और बाद में अध्यक्ष रहे ।

4. डा0 शंकर दयाल शर्मा का सार्वजनिक जीवन लखनऊ में 1940 मे आरम्भ हुआ । स्वतंत्रता संग्राम के दौरान और दूसरी बार भोपाल में विलय आन्दोलन के दौरान वे जेल गए ।

5. डा0 शंकर दयाल शर्मा 1952 में भोपाल राज्य विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए तथा 1 नवम्बर,1956 को मध्य प्रदेश के नए राज्य का गठन हो जाने तक भूतपूर्व भोपाल राज्य (1952-56) के मुख्य मंत्री रहें । वर्ष 1956 से 1967 तक उन्होनें मध्य प्रदेश सरकार में मंत्रिमंडल स्तर के मंत्री के रूप में विभिन्न विभागों का कार्यभार संभाला ।

6. वर्ष 1971 में लोकसभा का सदस्य चुने जाने पर डा0 शंकर दयाल शर्मा केन्द्रीय संचार मंत्री (1971-77) बने । वे पुनः जनवरी 1980 में लोकसभा के सदस्य निर्वाचित हुए और अगस्त 1984 तक, जबकि उनकी आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल के रूप में नियुक्ति हुई, उसी पद पर बने रहे । उन्होने पंजाब के राज्यपाल और महाराष्ट्र के राज्यपाल के पदों को भी सुशोभित किया ।

7. डा0 शंकर दयाल शर्मा 3 सितम्बर,1987 से 24 जुलाई,1992 तक, जबकि उन्होनें राष्ट्रपति का पदभार संभाला, भारत के उपराष्ट्रपति और राज्य सभा के सभापति रहें । उन्होंने भारत के राष्ट्रपति के रूप में पूरे पाँच वर्ष का कार्यकाल पूरा किया । राष्ट्रपति के रूप में उन्होनें इस सर्वोच्च पद की गरिमा बढ़ाई तथा आन्तरिक और अन्तराष्ट्रीय समस्याओं के प्रति मानवीय दृष्टिकोण अपनाया ।

8. उच्च पदों की जिम्मेदारियों के बावजूद डा0 शंकर दयाल शर्मा भाषा विज्ञान, कानून, दर्शन शास्त्र, शिक्षा, ग्रामीण विकास, धर्मो का तुलनात्मक अध्ययन, साहित्यिक और पत्रकारिता के क्षेत्रों में भी काफी रूचि रखते थे । अन्तराष्ट्रीय मामलों, कानून व्यवस्था, पुलिस की भूमिका, धर्म-निरपेक्षता, शिक्षा, लोकतांत्रिक प्रक्रिया , मानवतावादी विरासत और विकास जैसे विषयों पर उन्होनें अनेक पुस्तकें लिखी । उन्होनें अंग्रेजी के अतिरिक्त हिन्दी में भी अनेक महत्वपूर्ण और विचारणीय पुस्तकें लिखी ।

9. डा0 शंकर दयाल शर्मा के निधन से देश ने एक बहादुर स्वतंत्रता सैनानी राजनेता, विद्वान, मानववादी व्यक्तित्व और भाषाविद् खो दिया है । वे एक ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय नेता और वयोवृद्ध राजनेता थे ।

कमल पाण्डे, सचिव

**MINISTRY OF HOME AFFAIRS**

**NOTIFICATION**

New Delhi, the 29th December, 1999

**F. No. 3/5/99-Public.—** Dr. Shanker Dayal Sharma, former President of India, passed away on Sunday, the 26th December, 1999. A veteran freedom fighter, Dr. Sharma was an able statesman and parliamentarian who served the country with great devotion, dedication and distinction. He held many eminent posts in public life.

2. Dr. Shanker Dayal Sharma was born on August 19, 1918 at Bhopal. He took his M.A. degrees in English Literature, Hindi and Sanskrit, standing first in the University. He obtained his LLM from Lucknow University once again standing first in the University. He obtained his Ph.D. in Law at Cambridge. Called to the Bar from Lincoln's Inn, he was later a Fellow at Harvard Law School.

3. Dr. Shanker Dayal Sharma also won distinctions as a sportsman, having excelled in athletics, rowing and swimming during his student days. He was Lucknow University's swimming champion for three consecutive years and was Captain and later President of its Rowing and Swimming Club.

4. Dr. Shanker Dayal Sharma's public life began in Lucknow in 1940. He underwent imprisonment during the freedom struggle and again during the merger movement in Bhopal.

5. Dr. Shanker Dayal Sharma was elected to the Bhopal State Assembly in 1952 and was Chief Minister of the erstwhile Bhopal State (1952-56) till the formation of the new State of Madhya Pradesh on November 1, 1956. During the period 1956 to 1967, he held various portfolios as Cabinet Minister in the Government of Madhya Pradesh.

6. After his election as a Member of the Lok Sabha in 1971, Dr. Shanker Dayal Sharma became Union Minister for Communications (1971-77). He was re-elected to the Lok Sabha in January, 1980 and continued in that capacity till August, 1984 when he was appointed as Governor of Andhra Pradesh. He also held the office of Governor of Punjab and Governor of Maharashtra.

7. Dr. Shanker Dayal Sharma was Vice-President of India and Chairman of the Council of States (Rajya Sabha), from September 3, 1987 till he assumed office of the President of on July 24, 1992. He completed his full term of five years as President of India. As President, he lent dignity to the high office and brought to bear his humanitarian outlook on domestic and International problems.

8. Despite the pressures of high offices held by him, Dr. Shanker Dayal Sharma was keenly interested in linguistics, law, philosophy, education, rural development, comparative study of religions, and literary and journalistic pursuits. He had to his credit several publications on international affairs, rule of law, role of police, secularism, education, democratic process, heritage of humanism and development. Besides English, he had several important and thought-provoking publications in Hindi also.

9. In the death of Dr. Shanker Dayal Sharma, the country has lost a brave freedom fighter, statesman, scholar, humanist and linguist. He was a national leader of eminence and a wise elder statesman.

KAMAL PANDE, Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054 -1999.